नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

वर्धा के जिलाधिकारी शैलेश नवाल ने ली विश्वविद्यालय की योजनाओं की जानकारी

कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र से की चर्चा

वर्धा, 01 फरवरी 2017: वर्धा के जिलाधिकारी शैलेश नवाल ने मंगलवार, 31 जनवरी को महात्मा गांधी

अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय को भेंट दी। उन्होंने कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र के साथ चर्चा कर विश्वविद्यालय की योजनाओं, पाठ्यक्रमों

एवं विकास कार्यों की जानकारी ली। कुलपति कक्ष में हुई औपचारिक बैठक में वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज

कुमार, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश लेहकपुरे, सहायक कुलसचिव डॉ. राजेश्वर सिंह, जनसपंर्क

अधिकारी बी. एस. मिरगे व प्रकाशन प्रभारी राजेश यादव उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में जिलाधिकारी शैलेश नवाल के प्रथम आगमन पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने उनका पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। कुलपति प्रो. मिश्र ने उन्हें विश्वविद्यालय में चलाए जा रहे

पाठ्यक्रमों एवं आगामी महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ हिंदी भाषा के विकास के लिए निरंतर आगे बढ़ रहा है। विवि में अनेक प्रकार

के एप और सॉफ्टवेअर विकसित किए जा रहे हैं। उन्नत भारत अभियान, सामुदायिक महाविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, ई- पाठशाला, वर्धा शब्दकोश, हिंदी समय डॉट कॉम आदि महत्वपूर्ण योजनाओं की

जानकारी भी कुलपति प्रो. मिश्र ने दी। उन्होंने जिलाधिकारी का इस ओर ध्यान आकर्षित किया कि विश्वविद्यालय पहाड़ी क्षेत्र में स्थित होने से यहां पानी की समस्या से जूझना पड़ता है और गर्मी के दिनों

में पेड़ों के लिए पानी का अभाव रहता है। इसपर जिलाधिकारी ने कहा कि हनुमान टेकडी पर बने महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के प्लांट से जो पानी छोड़ा जाता है उसका उपयोग पेडों के लिए किया जा

सकता है और इस दिशा में जल्द ही पहल की जाएगी ताकि विश्वविद्यालय का परिसर हर मौसम में हराभरा रह सके। जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि पर्यावरण एवं जल प्रबंधन को लेकर विश्वविद्यालय

को जिला प्रशासन से जो भी मदद चाहिए होगी वह दी जाएगी। उन्होंने बताया कि बारिश के पूर्व जिला प्रशासन की ओर से दस हजार पौधे दिए जाएंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों को शामिल कर पौधा रोपण अभियान को सफल बनाने की अपील उन्होंने की। केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का डेटाबेस बनाने की बात भी उन्होंने विवि प्रशासन के सामने रखी। बैठक के बाद उन्होंने अकादमिक भवन, स्वामी समजानंद सरस्वती संग्रहालय, विष्णू पराड़कर मीडिया लैब तथा नागार्जुन अतिथि गृह का दौरा किया।